समाज में भ्रष्टाचार फैला रही है आसुरी प्रवृत्तियां -सिंघल

आबू रोड, 31 जुलाई, निसं। विश्व हिन्दू परिषद के अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंघल ने कहा कि आज सभी विचारधाराओं के लोग पूरे विश्व में शांति स्थापित करना चाहते हैं। उसके लिए अपने-अपने स्तर से प्रयास भी कर रहे हैं परन्तु समाज में कुछ आसुरी प्रवृत्ति के लोग समाज पर हावी हो रहे हैं। इसलिए समाजिक व्यवस्था में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ता जा रहा है। देश व समाज के विकास के लिए एकता के साथ काम करने की जरूरत है। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था के शांतिवन परिसर में स्वसशक्तिकरण विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

आगे उन्होंने कहा कि देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए हमारा इस क्षेत्र में पदार्पण हुआ था। हम सब भारत माता के सपूत है। हमें देश व राष्ट्र के विकास के लिए तन, मन और धन से अपने आपको समर्पित कर देना चाहिए। भारत देश की धरती आतंकवाद और भ्रष्टाचार को कभी बढ़ावा नहीं दे सकती। इसलिए इसे आज पूरे विश्व को शांति की आवश्यकता है। इस कार्य के लिए तमाम धर्म, सम्प्रदाय, साधू संत, महात्मा और अन्य पंथ के लोग लगे हैं। ब्रह्माकुमारीज संस्था मूल्यों को लेकर लगातार पिछले कई सालों से पूरे विश्व के सभी मुल्कों में सराहनीय कार्य कर रही है। इसका मकसद आम आदमी को मूल्यनिष्ठ बनाना है जो सबके हित में हैं। इसमें सभी लोगों को भागीदार बनना चाहिए। समाज की बेहतरी के लिए कार्य कर रही सभी संस्थाओं को एक मंच पर आने का प्रयास करना चाहिए तभी समाज में एक क्रान्ति का रूप आयेगा। एक दिन ऐसा होगा कि सभी लोग मिलकर पूरे भारत की तकदीर बदलने में सक्षम होंगे। उन्होंने आरएसएस तथा विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना के उददेश्य के बारे में बोलते हुए कहा कि इसका मकसद विचारों में सदक्रान्ति लाना है। जो भी व्यक्ति इसमें प्रवेश करता है वह सिद्धांतों और विचारों को देश के उन्न्यन के लिए समर्पित करता है।

इस अवसर पर संस्था के महासचिव ब्र0 कु0 निर्वेर ने कहा कि हमारे देश का भागय रहा है कि हमारे देश में श्रषियों और मुनियों का संरक्षण मिलता रहा है। जिससे भारत की संस्कृति सदैव सुरक्षित रही है। इससे ही आज तक हमारे देश की संस्कृति को पूरे विश्व में अनुकरण किया जा रहा है। पूरे विश्व को अपराध मुक्त बनाना ही इस संस्था का मुख्य लक्ष्य है।

ब्रह्म विद्यामठ त्रिनिदाद के स्वामी ब्रह्मदेव उपाध्याय ने कहा कि हमारे सोच जैसी होगी उसी प्रकार हमारे कर्म भी होंगे। इसके लिए ही यह संस्था लगातार कार्य कर रही है। हमें बहुत खुशी है कि यह पूरे विश्व में ज्ञान का प्रकाश फैला रही है। संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र0 कु0 बृजमोहन ने कहा कि जाति पाति तथा धर्म और रंग के कुरीतियों को मिटाने के लिए यह संस्था पिछले 74 सालों से कार्य कर रही हैं। जिसका उददेश्य एक बेहतर विश्व बनाना है।

श्री सिंघल का शुक्रवार की रात्रि को शांतिवन में पहुंचने पर संस्था के महासचिव निर्वेर, अतिरिक्त महासचिव ब्र0 कु0 बृजमोहन, जनसंपर्क एवं सूचना निदेशक ब्र0 कु0 करूणा शांतिवन प्रबन्धक भूपाल तथा अन्य पदाधिकारियों ने फूल और गुलदस्ता भेंटकर उनका स्वागत किया। शनिवार को उन्होंने शांतिवन का अवलोकन किया।

जताई चिंता

शांतिवन अवलोकन के बाद वे संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी, अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी जी से मुलाकात की तथा वर्तमान समय समाज में गिर रहे मूल्यों के बारे में चिंता जाहिर की। श्री सिंघल जी ने न्यायविद प्रभाग के अतिरिक्त महासचिव ब्र0 कु0 रमेशा शाह, ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र0 कु0 मोहिनी, ब्र0 कु0 मुन्नी से मुलाकात की तथा कुशलक्षेम पूछी। इसके बाद माउण्ट आबू के लिए रवाना हो गये।

फोटो, 31एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 श्री सिंघल का स्वागत करते संस्था के पदाधिकारी, सभा में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते। तथा ईश्वरीय संदेश भेंट करती दादी जानकी।